वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत
एम.फिल्.
हिंदी
(जून २००९-२०१०, २०१०-२०११ तथा २०११-२०१२ के वर्षो के लिए)

१०० ष्र्वंि

प्रश्नपत्र-१
शोध-प्रविधि

१. अनुसंधान का स्वरूप-
अनुसंधान शब्द- विभिन्न पर्याय-अर्थ एवम् परिभाषा-अनुसंधान क्या है? अनुसंधान का महत्व अनुसंधान की उपयोगिताएँ-प्रकृति एवम् क्षेत्र- उनकी उपयुक्तता ।

२. अनुसंधान और चिंतनः अनुसंधान और चिंतन प्रक्रिया और मानव-प्रगति-चिंतन के विश्लेषणात्मक प्रकार- सक्रिय एवम् निष्क्रिय चिंतन-बौद्धिक, तार्किक और सृजनात्मक चिंतन ।

३. अनुसंधाता के गुण- सत्य की खोज-परीक्षण, चिंतन और तर्क-सहनशीलता, परिश्रमशीलता-कार्यशीलता-विषय का पूर्व ज्ञन और रूचि- अन्य गुण- त्याज्य गुण ।

४. निर्देशक के गुण- निर्देशक-क्षमता-रूचि-आत्मविश्वास-वैचारिक स्पष्टता-प्रोत्साहन देना निर्देशन के सिद्धांत । ५. अनुसंधान के प्रकार- साहित्यिक- आलोचनात्मक- काव्यशास्त्रीय- तुलनात्मक- ऐतिहासिक- भाषा- वैज्ञनिक- समाजशास्त्रीय ।

६. साहित्यिक अनुसंधान- साहित्यिक अनुसंधान के प्रकार-उद्देश्य एवम् महत्व ।

७. तुलनात्मक अनुसंधान- प्रकार- उद्देश्य एवम् उपयोगिताएँ ।

८. समाजशास्त्रीय अनुसंधान- प्रविधियाँ एवम् प्रकार

८. अनुसंधान के सोपान- समस्या का अनुभव-अनुभूत समस्या-समस्या का निर्धारण तात्कालिक समाधान और समाधान की संभवनाएँ- सीमाओं का निर्धारण ।

९. अनुसंधान और समीक्षा, अनुसंधान और आलोचना ।

१०. पाठालोचन या पाठानुसंधान के मुख्य सिद्धांत ।

संदर्भ पुस्तकें-

शोधः स्वरूप एवम् मानक व्यावहारिक कार्य-विधि-बैजनाथ सहगल वाणी प्रकाशन

साहित्यिक अनुसंधान के आयाम-डॉ.आर.के.जैन नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

साहित्यिक अनुसंधान का स्वरूप-डॉ.सावित्री सिंहा नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

अनुसंधान प्रविधि-डॉ.एस.एन.गणेशन लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

शोध-प्रविधि-आचार्य विनयमोहन शर्मा नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

नवीन शोध-विज्ञन-डॉ. तिलक सिंह प्रकाशन संस्थान, दिल्ली

प्रश्नपत्र-२
शोध-प्रक्रिया

१०० प्ट्जि

१. शोध-विषय का चुनावः स्वरूप और उद्देश्य- प्रारंभिक तैयारी-शोधार्थी की दुर्बलताएँ- विषय कैसे चुने? मूल विषय की गंभीरता या महत्ता-सफलता की संभावना-उद्देश्य ।

२. अनसंधान की उपयत्तक्ता और सीमा-निर्धारण ।

३. साहित्यिक अनसंधान की प्रक्रिया- विषय चयन की कठिनाईयाँ- सामग्री-संकलन-सामग्री प्राप्ति के स्त्रोत-सामग्री संकलन विधि-मौलिक स्त्रोत-गौण स्त्रोत-मूल ग्रंथ-सहायक ग्रंथ-सर्वेक्षण-सामग्री संकलन की पद्धति- पश्नावली पद्धति- नोट लेने की पद्धतियाँ- बही प्रणाली- मिसिल प्रणाली- टीप कार्ड लिखने मानक तरीके उद्धरण के स्त्रोत- निष्कर्ष-निष्पादन- परिशिष्ट- ग्रंथ सूची ।

४. विषय परक रूपरेखा बनाने की पद्धति- अर्थ एवम् परिभाषा- कामचलाऊ रूपरेखा-विषय परक कामचलाऊ रूपरेखा बनाने की पद्धति ।

५. प्रबंध-प्रस्ततीकरण (उदाहरण सहित)- मख पृष्ठ, प्राक्कथन- घोषण-पत्र- विषय सूची की रूपरेखा ।

६. हिंदी अनसंधान साहित्काय इतिहास ।

७. साहित्यिक अनसंधान की उपलब्धियाँ ।

संदर्भ पस्तकें-

शोधः स्वरूप एवम् मानक व्यावहारिक कार्य-विधि-बैजनाथ सहगल वाणी प्रकाशन

साहित्यिक अनुसंधान के आयाम-डॉ. आर.के.जैन — नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

अनुसंधान का स्वरूप-डॉ.सावित्री सिंहा — नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

अनुसंधान प्रविधि-डॉ.एस.एन.गणेशन — लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

शोध-प्रविधि-आचार्य विनयमोहन शर्मा — नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

नवीन शोध-विज्ञन-डॉ.तिलक सिंह — प्रकाशन संस्थान, दिल्ली

एम.फिल्.

प्रश्नपत्र-३

हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

१०० ष्विं

पाठ्यविषय

हिन्दी के इतिहास लेखक और उनकी इतिहास दष्टि

विचारधारा और साहित्य

मध्ययुगीन बोध का स्वरूप

विभिन्न धर्म साधनाएँ और वैष्णव धर्मान्दोलन

मध्ययुगीन-बोध और आधुनिक-बोध में साम्य-वैषम्य

आधुनिकता-बोध और औद्योगिक-संस्कृति

राष्ट्रीयता और अन्तरराष्ट्रीयता

पुनर्जागरण, पुनरूत्थान और हिंन्दी लोक-जागरण

हिंदी साहित्य में संबद्ध विशिष्ट मतवाद-अध्यात्मवाद, गाँधीवाद, मार्क्सवाद, थर्म, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, अन्तश्चेतनावाद, उत्तर-आधुनिकतावाद

परम्परा और आधुनिकता

राष्ट्रीय स्वातंत्र्य आंदोलन

भारतीय सांविधानिक व्यवस्था-लोकतंत्र, समाजवाद, पंथनिरपेक्षता, दलित-चेतना, स्त्री-विमर्श

आंचलिकता और महानगर बोध

साहित्य का अंतर्विधापरक अध्ययन-साहित्य का समाजशास्त्र, इतिहास-दर्शन, मनोवैज्ञनिक अध्ययन, सास्कृतिक अध्ययन, भाषा वैज्ञनिक विवेचन, भाषा प्रौद्योगिकी, साहित्य का वैज्ञनिक बोथ

प्रश्नपत्र-४

लघु शोध-प्रबंध का लेखन

१०० ष्विं

प्रश्नपत्र-५

मौखिक

१०० ष्विं